viShNupAdastutiH

विष्णुपादस्तुतिः

Document Information

Text title : Vishnupadastutih

File name : viShNupAdastutiH.itx

Category : vishhnu

Location : doc_vishhnu

Transliterated by : Chandrasekhar Karumuri

Proofread by : Chandrasekhar Karumuri

Latest update : December 2, 2022

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanskript**.

December 2, 2022

sanskritdocuments.org

viShNupAdastutiH

विष्णुपादस्तुतिः

॥ श्रीः ॥

॥ श्रीदिग्विजयरामो विजयते ॥

यदीयमाश्रितं पदं समस्तपापनाशकम् ।
स विष्णुरात्मसत्पदे सुभक्तिमाशु मे दिशेत् ॥ १॥

यदीयमाश्रितं पदं समस्तविघ्ननाशकम् ।
स विष्णुरात्मसत्पदे सुभक्तिमाशु मे दिशेत् ॥ २॥

यदीयमाश्रितं पदं समस्तदुःखनाशकम् ।
स विष्णुरात्मसत्पदे सुभक्तिमाशु मे दिशेत् ॥ ३॥

यदीयमाश्रितं पदं समस्तपुण्यदायकम् ।
स विष्णुरात्मसत्पदे सुभक्तिमाशु मे दिशेत् ॥ ४॥

यदीयमाश्रितं पदं समस्तसौख्यदायकम् ।
स विष्णुरात्मसत्पदे सुभक्तिमाशु मे दिशेत् ॥ ५॥

यदीयमाश्रितं पदं समस्तभाग्यदायकम् ।
स विष्णुरात्मसत्पदे सुभक्तिमाशु मे दिशेत् ॥ ६॥

यदीयमाश्रितं पदं समस्तशास्त्रबोधनम् ।
स विष्णुरात्मसत्पदे सुभक्तिमाशु मे दिशेत् ॥ ७॥

यदीयमाश्रितं पदं समस्तकर्मसिद्धिदम् ।
स विष्णुरात्मसत्पदे सुभक्तिमाशु मे दिशेत् ॥ ८॥

यदीयमाश्रितं पदं समस्तदेवतोषदम् ।
स विष्णुरात्मसत्पदे सुभक्तिमाशु मे दिशेत् ॥ ९॥

यदीयमाश्रितं पदं समस्तसद्विमुक्तिदम् ।
स विष्णुरात्मसत्पदे सुभक्तिमाशु मे दिशेत् ॥ १०॥

यतिः सत्यात्मपद्भाक् अभवद्विष्णुपादभाक् ।
तदुक्तपद्भाग् यस्तु स भवेद्विष्णुपादभाक् ॥

॥ इति श्रीमदुत्तरादिमठाधीशैः श्रीमत्सत्यात्मतीर्थैः विरचिता विष्णुपादस्तुतिः ॥

Encoded and proofread by Chandrasekhar Karumuri

viShNupAdastutiH

pdf was typeset on December 2, 2022

Please send corrections to *sanskrit@cheerful.com*